Home >> Kshetreeya >> Bhopal-Indore
Source: मृदुल जैन भोपाल

Published: Friday, February 05,2010

गत्ते के डिब्बे होंगे महंगे

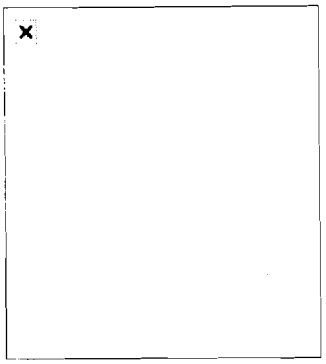

पैकिंग मटेरियल के रूप में कोरूगेटेड बॉक्स अथवा गत्ते के डिब्बों का इस्तेमाल करने वाली कंपनियों का पैकिंग खर्च अगले कुछ दिनों में बढ़ने के आसार हैं। जिसका कारण यह है कि कच्चे माल की लागत बढ़ने से कोरूगेटेड बॉक्स बनाने वाली अधिकतर कंपनियां अपने उत्पादों के दाम बढ़ाने की तैयारी कर रही हैं। इसके लिए कंपनियों ने अपने क्लाइंटो को सूचित करना शुरू कर दिया है। मध्य प्रदेश कोरूगेटेड बॉक्स मैन्यूफेक्चर्स एसोसिएसन (एमपीसीबीएमए) के मुताबिक आने वाले कुछ दिनों में कोरूगेटेड बॉक्स के दाम 20 प्रतिशत तक बढ़ाए जाने की संभावना है। एसोसिएसन का कहना है कि कच्चे माल की कीमत बढ़ने से कोरूगेटेड बॉक्स निर्माताओं को घाटा उठाना पड़ रहा है।

मंडदीप स्थित नोबल कोरूगेटर्स प्रा. लिमिटेड के संचालक एवं एमपीसीबीएमए के भोपाल प्रतिनिधि आदित्य मोदी बताते हैं कि क्राफ्ट पेपर की कीमतों में दिसंबर से लगातार तेजी का दौर बना हुआ है। पिछले कुछ दिनों के दौरान पेपर के भाव में डेढ़ से तीन रुपये प्रति किलो की तेजी आई है। वहीं स्टार्च और ग्वारगम की दाम भी दो महीने में 21000 से 31000 रुपये प्रति टन पर पहुंच गए है। जिसके चलते निर्माण लागत में 15 से 20 प्रतिशत तक की वृद्धि देखी गई है। वे कहते हैं कि लागत बढ़ने के बावजूद भी कोरूगेटेड बॉक्स के दाम नहीं बढने से दो-तीन महीने से इंडस्ट्री को 20त्न नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। जिसके चलते कुछ दिनों से सभी कंपनियों को अपने क्लाइंटों से भाव बढ़ाने का आग्रह कर रही हैं। मोदी बताते हैं कि हिन्दुस्तान यूनीलीवर, गोदरज फूड, वर्धमान एवं नाहर स्पिनिंग मिल सहित उनके कई बड़े क्लाइंट हैं।

वहीं राजस्थान, आंध्र प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश में भी उनकी कंपनी का माल जाता है। उन्होंने बताया कि फरवरी में जूस, कोल्ड ड्रिंक, फ्रूट आदि सेक्टरों से कोरूगेटेड बॉक्स की ज्यादा डिमांड आने लगती है। वे बताते हैं कि इस समय मप्र में सवा सौ ज्यादा इकाइयां कोरूगेटेड बॉक्स बना रही हैं। जिनका सालाना कारोबार करीब 400 करोड़ रुपये का है। एमपीसीबीएमए के सचिव एवं सुरका पेपर कंटेनर प्रा. लिमिटेड इंदौर के संचालक संजीव सुरका कहते हैं कि कच्चे माल की लागत सहित लेबर कास्ट भी बढ़ी है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ महीनों से कोरूगेटेड इंडस्ट्री को लगातार नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। जिसके चलते अब कोरूगेटेड बॉक्स बनाने वाली कंपनियां दाम बढ़ाने की तैयारियां कर रही है। उन्होंने कहा कि फिलहाल 20 प्रतिशत तक दाम बढ़ाए जा सकते हैं। साथ ही कच्चे माल की कीमतों में तेजी रहने के कारण आगे भी दाम बढ़ाए जा सकते हैं। इसी तरह एमके इंटरप्राइजेज के ओमप्रकाश मूंदड़ा कहते हैं कि कच्चे माल की कीमतों बढ़ने से तकलीफ का सामना करना पड़ रहा है। जिसके चलते उन्होंने उत्पादों के दाम बढ़ाए है।

वहीं एमपी बोर्ड एंड पेपर मिल प्रा. लिमिटेड, विदिशा के डायरेक्टर दीपक कोठारी ने बिजनेस भास्कर को बताया कि अलग-अलग क्वालिटियों में पेपर की कीमतों में 1500 से 3000 रुपये प्रति टन की तेजी आई हैं, जो कि आगे भी बरकरार रहने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि इस साल तेज ठंड के चलते यूरोप बंद रहने से वेस्ट पेपर का इंपोर्ट कम हो पाया है, वहीं अमेरिका में भी वेस्ट पेपर का कलेक्शन कम हुआ है। दीपक बताते हैं कि क्राफ्ट पेपर बनाने के लिए भारत की अधिकांश पेपर मिल आयतित वेस्ट (अपशिष्ट) पेपर पर निर्भर हैं।